imma™

Amar Ujala

Sarkar mein nahi hai koi takraav

Date: 26/09/2011 | Edition: Delhi | Page: 16 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 10 H: 25

Clip: 1 of 1

सरकार में नहीं है कोई टकराव

खुर्शीद बोले- इस्तीफा नहीं देंगे चिदंबरम

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा है कि सरकार में किसी तरह का कोई आपसी टकराव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन के मसले पर वित्त मंत्रालय के नोट से उपजे विवाद पर गृह मंत्री पी चिदंबरम को इस्तीफा देने की भी कोई जरूरत नहीं है।

खुर्शीद ने कहा कि वह यह कहने के लिए अधिकृत हैं कि सरकार में कोई आपसी कलह नहीं है। हम भी आखिर इंसानों का एक समूह हैं और कभी-कभी आपस में थोड़ी असहमति हो जाती है, लेकिन अंतिम तौर पर जब प्रधानमंत्री और कैबिनेट की ओर से कोई फैसला लिया जाता है तो हम सब उसके साथ होते हैं।

एपीजे इंडिया वॉलंटियर अवाड्र्स समारोह से इतर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री खुर्शीद ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह बेहद अहम है कि वे गृहमंत्री के साथ खड़े हैं। विपक्ष की ओर से चिदंबरम के इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चिदंबरम के इस्तीफे की कोई जरूरत नहीं है वह हमारे लिए एक मजबूत स्तंभ की मानिंद हैं। संप्रग सरकार बेहद संजीदगी के साथ चल रही है।

वित्त मंत्रालय के नोट के बारे में पूछे जाने पर खुर्शीद ने कहा कि यह नोट एक निचले स्तर के अधिकारी ने तैयार किया था, वैसे प्रणब मुखर्जी जब अमेरिका से लौटेंगे तो इस बारे में वह ही विस्तार के साथ बता सकते हैं।

इस बीच भाजपा ने कहा है कि अगर चिदंबरम अगर खुद इस्तीफा नहीं देते हैं तो प्रधानमंत्री को चाहिए कि वह उनको फौरन कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाएं। भाजपा ने इस मामले में सीबीआई जांच की भी मांग की है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि सीबीआई को पूरा मामला देखना चाहिए। एजेंसी

केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा, बेहद संजीदगी से चल रही है संप्रग सरकार

...जब प्रणब को याद आई इंदिरा के फार्म हाउस की रेड

न्यूयॉर्क। वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी को रविवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत श्रीमती इंदिरा गांधी के जमाने की याद आ गई। 2जी मसले पर विपक्ष के हंगामे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह तो विपक्ष का काम ही है। इसके अलावा विपक्ष और क्या करेगा। मुखर्जी ने कहा कि हमने इस तरह के शोर-शराबे बहुत देखे हैं। हमें वह वक्त भी याद है जब इंदिरा गांधी के फार्म हाउस पर रेड डाली गई थी। कभी-कभी इस तरह की घटनाएं भी हो जाती हैं।